

भ्रम्भः स्वरक्षात्र स्वापार सुक्षस्य स्वरक्षात्र स्वर्धः भ्रम् त्रियम क्रम्म इस्त भुत्रया इस्त्रम् क्रम्म इस्त भुत्रया इस्त्रम् क्रम्म इस्त भुत्रया इस्त्रम् क्रम्म इस्त्रम्

हा अन्य भी न हुआ भी है। अनुया भी न हुआ भी हिनाभी किया मुला

न्यथानी हरता शेन हित्व कुरी द दियगदे भेगे हे ने

सुर्भ सूमल हैन वी से ह अयभेग भिगयो मुखा र्रुयेनास्य म् म् मूर्नित्रे "माल पुर

र्ने रहा ये वार हैं भिष अअभेग भियायो मुलाई व भेगायागोर्द्र यह मुहार अर दे चेय स्थारे भेगार्त्र भेर यय गुला

नवाभेग्ला संगान्त र्भेष वन वेंद्र्युं जिल श्रेसर्ट्र इ.भेष जारेणारा सुमा सुन्दे र्लोर्जे हेमा ग्रुम न मार गुँत निया थेया र स्मा शिन सार्ट्य सार्ट्य स्था

ब्रॅनर न्यर यूर्टर

न्त्र कियायाया हैया रतिनाने अता क्रिक्टण देशह लेख मही ने में में में में हर मूंबर हम म मुर्निम् सून्या नमस्य मुखा

री एपेंग में गुड़ब हम मान हिल्म म्या केर्माय हेरी देशाराज भेजा

हिन्द् अने इ विचय हिरे नेरे हमन हुन्से नेमन नीतारी प्राप्त हर सरी भरी में हरे हरे

हे खूँ है यन खुला अं क्ष्य कें बे यूले अशु आट गहे गाबु हम सेलाई हमार अं क्ष्य कें समरे हेन्ना दुं कें कें केंद्र हमार के ब्रूप हेन्ना कुकर प्रसार हेन्ना

लयो नियम देशहिया होनालो क्र्य में के क्रम्य अवर हिंग हमानी।

न्या राषागात हैन है

मुंभे हराता ल गोच देवहें श्रीय व्यूच देवल ए अर वेशका वेशका है में ता लेख राष्ट्र रंगातास क्रिये क्रिये स्था रे क्रियाम बेखाय हामर में दूर ग्राम ग्रेजिर देश गुरा हेड यात हायर र्यस्याम् भेरत्यः मुक्षादियोगा BALE

ब्रेचल म्यह क्रेड्रिक्ल के चरसुरम नमस्येष्वेचलर् अनुमय लम्या मार्थित रहिन्द् सेरेल हरो। ह्यंत सेंद्रय क्रिया

के नियम संस्थातर देवात हेंबर ब्रेस्य कि हिंदे रे प्रवर्ग बादाय लून क्रिके रेंग्यं डि. मधा लूब हव या क्रांचर जूना वर है रेगा दर वोष्ट्र अव गूर है मैं यह जूरा कर भीर है तर म्मास के नेक्स में दे भी मान हैन श्री गदेश से में के में में में मुलाहा

ल्यात्य रहें यह से स्वरण के के हिंदिरी पुन्य मन्य गन्सुय मुगुः हुस्य नेव य नुगु से में गेन सुमा हम सेन सुगा

न्सर्थ भय

क्रिंग सम्युम स्व इटिन्स नुगुरो युक्तियताः ह्या ह्या न् श्रेवत्ययन् १ हन्यमः मेर्नुमन् अ हर्न्स हैन मुंबा कुराने से मा मिन्यन्तु सं वेयार्थं हमत्यु प्रमान्य हमान्यः वे प्रमान्यः हमान्यः हमान्यः वे प्रमान्यः हमान्यः वे प्रमान्यः ग्रेशको न्या श्रेम द्वारा द्वारा द्वारा

नयम होते मेयरे क्रम्य हमर मेलामल, प्रेट्न क्रम्य विषयं भेर में यह मेर क्रम्य विषयं भेर में यह मेर क्रम्य क्षर्य देन इस हमर में केने य झे दुश दुस बेयल देव दिन्दी म्बरे ब्रुक्त वा ने हर्द्द देश क्रिया उत्तर न नमर हिन्द स्त्रम र्स्युन्यम न्यद्दिने देन विद्यने

HE GIAS 3 2 2 3 2 4 3 7. लेक कुन स. वि. हेक बिर हे च रेखे क्रमल सुल्या

देवर् मीप. ष्टुज्ञाल. श्रन्थः प्रचार्ये

अय दे प्रेच. के रेट्यू अपत्य स्थान का स्थान की पारिया स्थान की प्रिया में स्थान की प्राप्त की प्रा



र्के. ज्रह्में यागान देवल गरी वेस या है। अले लि. प्रतिया ले. से हैं हैं वर्य अला स्राप्ति स्वान् यरहे हेवावी द्वारा श्रेष्ट के स्वान्य स्वान्य

इन्देशियार नु मण सरभारकीम समस्क्रीरेश सूँख ज्यारेक

स्रात्राता कु हमले में या अवस्या हैस अटत अहस में या वन जुद्द में ज जुस लें के के के जान में जी

स्वर गराय हैं शह के मह के अह हुन नियास म्लुल प्रमा ब्रेंटब लग नगर केंद्रल मिने में स सह या दे हैं म कर या मेरने हमर देशी बेन अपर इंग्यं केला करें मंद्र मंद्र मेरे

नेया मामद मुद्दाल मुद्दाल से देश से क माह

मुश्रा र श्र्य वेश हेश में प्राप्त से महत्ती में स्था में महत्ती में से महत्ती में से महत्ती में से महत्ती में से महत्ती में में महत्ती म

न्यर वय ल्याहे

अब्देख. रमज्ञ.वे.ल्रह. र. हेजर जन देशीर अरबी ही हुर रूय में कूय गादे व्यय या ही। वर हेन ही

बुन्ताता विश्वर के दिए योज्य की सूर देशकी अ. कु. जून ना की न लक्ष हेन्त्र हे का कि कि मान र्रमहिम जूबर्म-प्रम्यीम ब्रैंर नुवय ज. हेव.वी

हर्षे श्री रे. र्चेश हर्मा लाई. ज्याया मार्डे. म्रावता नीमारा भीत भवायुः विदाश म्यदः शयाद्यासे र्वे भीव या था

अवेद शहें

वे.राज. २.अर. के.रेप.अ. याद्रेशका में जार में जारी में विश्व में वयात्यान् कार्युटः हेवायाः वया हासार त्रीयातायाता कार्डेच स्या नेता साही वा ब्रेट दिसकी वि.श.

ध्वरात. स.हर. ध्वरात. ज्रुक्त.र. रवेत. हेवता लाताई. करावान. ह.अर त्रीजरारे. कु.रेर.श्र. जुर... र्जे. योगा. खुलायाता खुला।

के र्रुट्टिंग्ला में में दें असम् बरल क्यांजा है वन मूर है मूल देर याः स्ट्राहरः हर्ने स्वान्त्रत्रात्रात्रात्रात्रा हलयासे से है हैन बर्गेन हैं रेर गाने नियर वयस अध्यासरी जार्चेट वि.याल हैयालेट्ये

यम्बर्गर मुला।

हुरहें

अभावाशिद वें अ हार्या थारी ने स्वाध मुख्य के हिंची अपा मिर्ड के स्वाध मुख्य के स्वाद स्वाद के स्वाद हार स्वाद के स्वाद

स्तिन्त्रं स्ता व्या क्रिक्तं स्तिन्त्रं स्तिन्तिः सत

म्बर्धः अता है क्रेर्डः मिनक्षः यह से अभावा मिन्द्रात्म मिनक्षः यह से अभावा महिरात्म प्रमानका यह से अभावा महिरात्म प्रमानका स्वरंगाता

क्रिप्ता न्यस्ति स्मार्थेन स्मार्थेन स्मार्थेन

र्श्वित के के के के कि

र्वेन्युन वेन नयम् सुनिन छन्य र्वेय

न्यहारी श्रेया छन्य वर्ती श्रेया छन्या

गुँच KROBA - के से मूँचा गुवाच GRAMPa - विश्वास्था

योक्त Towa [रेश र]

집고 (Khlaba - 환호자기 집고 (사기)

원. bard - 최학(역교회 원 조차하[환고] 최고, Bard - 학학(역교) 최상 조차하[환고] 최고, bard - 최학(역교회 원 조차하[환고]

खेर. THane - खंब. हेन जेर्ं जेरं, मणल [कर] ब्रीट. Mrane - शुब. हेन जेरं जेरं, मणल [कर]

是調果

यक्षिक्षे बुंद्धरी हेन्हि

म्या मुख्य देवया याक्ष मुख्या के अवदाय वे याया अवस्ति संस्था मुख्या के १११६ है हो है यहा मिलूं संस्था मुख्या के १११६ है हो है यहा मिलूं संस्था मुख्या के अवदाय वे याया अवस्ति

योगहर्न हैवया र्डेर्स माझे ही खूंडर हेन या हिंहि ही हिंद खूंस महा ही वाले ही हो पुर में याता हुस महाना वाले ही हो पुर में याता हुस महाना वाले ही हो या हिंहि हो है स्वाप हाम हो दुर है में रह रही अर्थेगा विश्व हिंहि साह स्वर सुगारे से बुद में में वाले हिंहि साह स्वर सुगारे से बुद में में वाले हिंहि साह स्वर सुगारे

यासन्त्रभाग प्राप्त काला क्षित्रमान्त्रभाग स्थाने स्थाने





में बाद बालाय होते. र न मेरी न नहीं शहर था संस्कृत व्यवन र स्वर वर्ण

या क	ठ च	ਰ ਵ	5 त	यः प	था य	P: 4	5ं त्र
ति ख	र्क छ	8.2	श्र य	ন'দ	二 ' र	रा'स	हुँ ज
य" ग	र्ट ज	7.3	र् द	⊐′ ब	ा ल	न् ह	384 19 40
मु घ	ड़िं झ	हैं ढ	ुं ध	नुंभ	भव	ह्र स	ings week
८ इ	% ञ	ह ज	ठ न	सम	~ा श		

छि'=इ छ्र-उ र्रे-ऋ थे-लू छेर-ए छि-म्रो छर्-म ा के से मिल है है है है है है है है है है

5' B' E' 9 KA KHA GA NGA CA CHA IA NYA 5 9 5 4 TA THA DA NA PA PHA HA MA 8 8 E A TSA TSHA DZA WA ZHA ZA A YA र वा मुका ५ छ। RA LA SHA SA HA A

नयर में हल भेरी नगरी

FAK 2477 [CONSONANT]

스러도 전기의 [VOMEL]

य छी छु छो छो

हमानुःशेनः नुसानुं नुव नुसान्येग्था नुसार्थेन

ZaMBuLiNG Monthly Collection

Vol. 1, No. 2, Tapa La, Chyan Lho - 2834,

Publisher & Editor: Ajit Man Tamang

Co-Editor: Lama, Dharma Raj Tamang, R.B. Tamang

Co-publisher: Ram Bdr. Tamang

Address : G.P.O. Box No. 11640, Kathmandu, Nepal. অঞ্চি ব্রু- রুণা শ্বর ৪